ज्वाइन्ट एक्शन कमेटी आफ एशोसिएशन्स/यूनियन्स
ऑफ
बी एस एन एल एक्जीक्यूटिव्स और नान एक्जीक्यूटिव्स
मध्य प्रदेश परिमंडल, भोपाल

कार्यालयः—1195, लाल कोठी, शाही नाका रोड, गढ़ा, जबलपुर—482003

फोनः—2429789 मोबाइलः— 9425124499

संयोजक
एस.आर.नायक

चेयरमेन
आर.के.तोतरे

सर्कुलर क्रमांकः 2010/जेएसी/2 दिनांक 13.06.2010

- बी एस एन एल को घेरकर मारने की साजिश का मुकाबला करो।
- पेंशनर्स के साथ बुढ़ापे में धोखाधड़ी सहन नहीं होगी।
- प्रत्येक सुबह का उपयोग संघर्ष की तैयारी के लिए करो।
- 14 जून 2010 को भोजनावकाश में प्रदर्शन करो।
- 16 जून 2010 को 10.30 से 14.30 बजे तक प्रभावी धरना दो।

प्रिय साथियो,

20 अप्रेल 2010 को बी एस एन एल के कर्मचारियों और अधिकारियों की शानदार हड़ताल ने देश के ट्रेड यूनियन आंदोलन के मैदान में एक मील का पत्थर स्थापित कर दिया है। इस हड़ताल ने एक ओर जहां बी एस एन एल की पूरी बिरादरी में आशा और उत्साह का संचार पैदा कर दिया है वहीं दूसरी ओर देश के समूचे मजदूर आंदोलन से सराहना के संदेशों का अंबार पाया है। जाहिर है कि, 20 अप्रेल 2010 को बी एस एन एल के कर्मचारियों और अधिकारियों ने जिस चट्टानी एकता का प्रदर्शन किया है उसे देश के पूरे मजदूर आंदोलन ने एक उत्प्रेरक मिसाल के रूप में देखा है। किन्तु आई एम एफ और विश्व बैंक के निर्देशों के सामने घुटने टेक चुकी केन्द्र सरकार देशी और विदेशी धन कुबेरों के सामने पंगु बनकर रह गई है। इसलिए देश की सुरक्षा का गर्भ ग्रह "बी एस एन एल" दांव पर लगा हुआ है। किन्तु ज्वाइन्ट एक्शन कमेटी भी इस संवेदनशील गर्भ ग्रह की रक्षा के लिए कमर कसे हुए है।

पुनः तेजी से घट रहे घटना विकासों के मद्दे नजर राष्ट्रीय जे ए सी (राष्ट्रीय संयुक्त संघर्ष समिति) ने 14 जून को भोजनावकाश में जंगी प्रदर्शन तथा 16 जून को धरना के माध्यम से केन्द्र सरकार को "बीएसएनएल के साथ खेलना, आग से खेलने जैसे होगा" का संदेश प्रत्येक एस एस ए एवं परिमंडल से भेजने का निर्देश दिया है। इसलिए संयुक्त संघर्ष समिति, मध्य प्रदेश परिमंडल एक्जीक्यूटिव एवं नान एक्जीक्यूटिव के सभी एसोसिएशनों/यूनियनों से अपील करती है कि 14 जून को भोजनावकाश में जंगी प्रदर्शन करें तथा 16 जून 2010 को 10.30 बजे से 14.30 बजे तक प्रत्येक एस एस ए प्रमुख के कार्यालय तथा परिमंडल कार्यालय के समक्ष प्रभावी धरना कार्यक्रम का आयोजन करें। परिमंडल संघर्ष समिति यह भी अपील करती है कि इस विरोध कार्यवाही का जोरदार प्रचार करें जिसके लिए, जहां तक सम्भव हो सके, स्थानीय मीडिया का सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करें।

क्रमशः...2.